

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi

Degree Course(B.A.)

Semester-6 Hindi Major -14

सेमेस्टर-6

प्रश्नपत्र-14 साहित्य का स्वरूप एवं विधाएँ

कोर्सकोड	Hindi - MJ-14			
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-14 साहित्य का स्वरूप एवं विधाएँ			
कोर्स लेबल	300			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह			
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावीवर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.साहित्य की अवधारणातथा साहित्य और समाज के सम्बन्ध का समुचित ज्ञान कराना । 2.विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचित कराना। 3. कविता एवं गद्य के विभिन्न रूपों का उद्भव एवं विकास का ज्ञान कराना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1.विद्यार्थी साहित्य की अवधारणा तथा साहित्य और समाज के सम्बन्ध से परिचित हो सकेंगे। Co 2.विद्यार्थी को हिंदी साहित्य के विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे। Co 3.विद्यार्थियों को कविता एवं गद्य के विभिन्न रूपों का उद्भव एवं विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1 1. साहित्य: परिभाषा, साहित्य और समाज 2. कविता: परिभाषा, कविता-तत्व, कविता: प्रकार (प्रबंध और प्रगीत)			16

	इकाई-2 3. समालोचना: स्वरूप, समालोचना: प्रकार, आलोचक के गुण 4. उपन्यास: परिभाषा, तत्त्व और प्रकार। 5. नाटक: परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।	16
	इकाई-3 6. कहानी: परिभाषा, तत्त्व और प्रकार। 7. निबंध: परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।	14
	इकाई-4 8. प्रमुख हिंदी आलोचक: परिचयात्मक अध्ययन एवम् योगदान- 1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी 4. डॉ. रामविलास शर्मा।	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	१. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-सं. निर्मला जैन २. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन ३. रस-चिंतन के विविध आयाम-सं. आनंदप्रकाश दीक्षित ४. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ. रामचंद्र तिवारी ५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ. नगेन्द्र ६. रस-सिद्धांत-डॉ. नगेन्द्र ७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. भगीरथ मिश्र ८. साहित्य के प्रमुख पक्ष-डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी ९. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त १०. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-डॉ. शशिभूषण पांडेय ११. शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा प्रणाली- पी. वासवदत्ता १२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ. मधु वसावा-डॉ. अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा) १३. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. विजयपाल सिंह	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति, सामूहिक-चर्चा, प्रश्नोत्तरी, पीपीटी द्वारा, श्रव्य-दृश्य माध्यम, कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative & 50% SEE (Semester End Evaluation) Summative	

M.M.

प्रश्नपत्र-15 हिंदी व्याकरण

कोर्सकोड	Hindi - MJ-15			
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-15 हिंदी व्याकरण			
कोर्स लेबल	300			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटल इंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह			
मिनिमम वीक्स/सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावी वर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1. विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के स्वरूप और व्याकरण से परिचय कराना। 2. भाषा के व्याकरणिक रूप वर्ण-विचार, शब्द-विचार के वर्गीकरण का परिचय देना। 3. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग एवं वचन आदि के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. हिंदी भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा। Co 2. हिंदी भाषा के व्याकरणिक रूप वर्ण-विचार, शब्द-विचार की समझ विकसित होगी। Co 3. विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग एवं वचन आदि के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी प्राप्त करेंगे।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1 1. वर्ण-विचार: वर्णमाला, वर्णों का उच्चारण एवम् वर्गीकरण, 2. उत्पत्ति, जाति एवम् उच्चारण के अनुसार स्वरों के भेद: मूल और संधि 3. व्यंजन-स्पर्श व्यंजन, बाह्य प्रयत्न के अनुसार भेद। 4. शब्द की परिभाषा एवम् शब्दों का वर्गीकरण	16		
	इकाई-2 1. संज्ञा: परिभाषा एवम् भेद 2. सर्वनाम : परिभाषा एवम् भेद 3. विशेषण की परिभाषा एवम् प्रकार	16		
	इकाई-3 1. क्रिया की परिभाषा एवम् प्रकार 2. कारक का परिचय।	14		

	3. क्रिया के काल-परिचय एवम् प्रकार।	
	इकाई-4 1. लिंग एवम् वचन का परिचय।	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न(10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	१. हिंदी व्याकरण-पं. कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी २. हिंदी व्याकरण मीमांसा-काशीराम शर्मा 3. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण-डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. हिंदी रूप-रचना भाग-1-2- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

M.M.

प्रश्नपत्र-16 प्रयोजनमूलकहिंदी

कोर्सकोड	Hindi - MJ-16			
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-16 प्रयोजनमूलकहिंदी			
कोर्स लेबल	300			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह			
मिनिममवीक्स/सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावीवर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.प्रयोजनमूलक हिंदी की समझ और प्रशासनिक पत्राचार में दक्षता विकसित कराना। 2.हिंदी में मीडिया लेखन और संचार उपकरणों के उपयोग को समझाना। 3.जनसंचार और मीडिया लेखन(संवाद लेखन, रेडियो लेखन, और विज्ञापन लेखन की सटीक और प्रभावी विधियों को समझाना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1.विद्यार्थी प्रशासनिक और व्यावसायिक पत्राचार में सटीक और प्रभावी हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम होंगे। Co 2. विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने में निपुण होंगे। Co 3.विद्यार्थी समाचार लेखन, विज्ञापन लेखन, संवाद लेखन और रेडियो लेखन में दक्ष होंगे और मीडिया में प्रभावी सामग्री तैयार करने में सक्षम होंगे।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1 प्रयोजनमूलकहिंदी: अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति प्रयोजनमूलक हिंदी: प्रयुक्तियाँ औरउसके प्रयोगात्मक क्षेत्र रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदीकीसंभावनाएँ। हिंदी के संवर्धन में प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका।			16
	इकाई-2 प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार कार्यालयीप्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, टेली प्रिंटर, टेलेक्स, वीडियो कान्फ्रेंसिंग			16

	इकाई-3 हिंदी में मीडिया लेखन जनसंचार माध्यम: अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार जनसंचार माध्यमों के प्रकार।	14
	इकाई-4 समाचार-लेखन और हिंदी संवाद-लेखन और हिंदी रेडियो-लेखन और हिंदी विज्ञापन-लेखन।	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14 x 2 = 28 अंक) प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6 x 2 = 12 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. अनुवाद-बोध - डॉ. गार्गी गुप्त 2. अनुवाद-विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी 3. जनसंचार: विविध आयाम- ब्रजमोहन गुप्त 4. मीडिया और साहित्य- सुधीश पचौरी 5. व्यावहारिक अनुवाद- डॉ. एन.ई. विश्वनाथ ऐयर 6. प्रयोजनपरक हिंदी- प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह 7. प्रयोजनमूलक हिंदी: विविध आयाम माया सिंह 8. प्रयोजन मूलक हिंदी का अध्ययन- डॉ. सुशीला गुप्ता	
ई-लर्निंगस्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा , श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative& 50% SEE(Semester End Evaluation)Summative	

M. M. M.